आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

सिलाई (Tailoring)

मिथुकपा सवयं सहायता
समूह वी. एफ. डी. एस. बिलिंग

एस.एच.जी. नाम	::	मिथुकपा सवयं सहायता समूह
वी.एफ.डी.एस.नाम	::	बिलिंग
एफ.टी.यू ./ रेंज	::	केलांग
डी.एम.यू. /मंडल	::	लाहौल
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	::	कुल्लू

(जाईका वित पोषित)

अनुक्रमणिका

क्र.स.	विवरण	प्रष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	परिचय	3
3	सवयं सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्राम की भौगोलिक स्तिथि	6-7
6	आय सृजन गितिविधी से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
7	उत्पादन की प्रक्रिया	8
8	उत्पादन हेतु नियोजन	9-10
9	विक्री का विवरण	10
10	समूह के मध्य प्रवंधन का विवरण	11
11	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
12	परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	12-14
13	उद्यम हेतु लागत – लाभ विश्लेष्ण	14
14	समूह की वितीय आवश्यकता	15
16	सम विचेदन विंदु की गणना (ब्रेक इवन पॉइंट)	15
17	सवयं सहायता समूह के नियमों की सूची	16
18	समूह का सहमती पत्र	17
19	समान रुचि समूह के प्रत्येक सदस्यों के फोटोग्राफ	18

1.परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और समृधि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है | हिमाचल प्रदेश की जलवायु, बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बडी नदियाँ व घाटियाँ प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी 70 लाख है। इसकी भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो चक शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है। यहाँ कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जडी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव बिलिंग, डा0 केलांग तहसील केलांग के लोग जिला लाहौल स्पीति, हिमाचल प्रदेश में स्थित है। गांव बिलिंग लाहौल जिले की घाटियो को भौतिक संरचना के आधार पर तरह –तरह के नाम दिए गए है, जिसमें एक नाम केलांग वैली है। लाहौल मुख्यालय से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह जिला लाहौल स्पीती का दुर्गम जनजातीय क्षेत्र है |

गांव बिलिंग मे लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम जमीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढंग से नहीं हो पा रहा है।
जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। गांव में लोग सिलाई का कार्य भी कर रहें हैं, परंतु, उत्पादन पारम्परिक तरीके से होता है। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के चलए व उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के चलए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यंत्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त हैं, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन पारितंत्र एवं प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन विकास समिति बिलिंग के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से गांव में 02 स्वयं सहायता समूह का गठन, " मिथुकपा स्वयं सहायता समूह "व " अठारह नाग स्वयं सहायता समूह "के रूप में किया गया। इसके बाद" मिथुकपा स्वयं सहायता समूह "ने सिलाई बनाने का कार्य करने का निर्णय किया। इस समूह में 10 सदस्य शामिल हुए।

मिथुकपा सवयं सहायता समूह की सूची

क्र.	लाभार्थी का नाम	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	संपर्क
1	छोकिड	प्रधान	52	स्त्री	th4	अनुसूचित जनजाति	9459998002
2	छिमेड आंग्मो	सचिव	50	स्त्री	th 9	अनुसूचित जनजाति	9418661898
3	छिमें	सदस्य	46	स्त्री	th10	अनुसूचित जनजाति	7018510733
4	छिमे अंग्मो	सदस्य	45	स्त्री	2+	अनुसूचित जनजाति	7876525196
5	पलजोम	सदस्य	50	स्त्री	th10	अनुसूचित जनजाति	9459107801
6	डोलमा	सदस्य	39	स्त्री	1+	अनुसूचित जनजाति	9459700427
7	डेकिड पालमो	सदस्य	58	स्त्री	th10	अनुसूचित जनजाति	9459734277
8	डोलमा	सदस्य	42	स्त्री	th10	अनुसूचित जनजाति	9459782496
9	देनचेन डोलमा	सदस्य	60	स्त्री	st1	अनुसूचित जनजाति	9459832791
10	किरण	सदस्य	52	स्त्री	th4	अनुसूचित जनजाति	7018721601

. सवय सहायता समूह विवरण

1	समूह का नाम	मिथुकपा स्वयं सहायता समूह
2	ग्राम वन विकास समिति	बिलिंग
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	केलाँग
4	वन मंडल /मंडलीय प्रबंधन इकाई	लाहौल
5	गांव	
6	विकास खंड	केलांग
7	जिला	लाहौलस्पीति-
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	10
9	समूह के गठन की तिथि	
10	बैंक खाता संख्या	50069377396
11	बैंक का नाम और शाखा जहाँ समूह का खाता संचालित है		के. सी.सी .बैंक केलांग
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
13	कुल बचत	
14	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
15	नगदी जमा करने की सीमा	
16	चकौती की स्थिति	6 महीने

2. ग्राम की भौगोलिक स्थिति –

1	जिला मुख्यालय से दूरी	3किलोमीटर) लगभग(
2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	केलोंग 3 , किलोमीटर लगभग
3	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलांग 3 , किलोमीटर
4	प्रमुख शहरों से दूरी	कल्लू किलोमीटर ,109 मनाली 70 किलोमीटर
5	मुख्य शहरों के नाम जहाँ उत्पाद का विक्रय /विपणन किया जाएगा	उदयपुर ,कुल्लू ,भुंतर ,मनाली
6	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबंध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी ,बुनाई करते हैं।

1) व्यवसाय योजना की आवश्याकता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति में महिलाओं का समूह गठन किया जिसमे समूह की सभी मिहलाएं सिलाई –कटाई का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है इसीलिय महिलाओं ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से सिलाई की मशीने प्रदान करने तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है |

(2) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना | समूह के
लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना | उत्पाद को
उचित बाज़ार से जोड़ना |
सभी सदस्यों को समूह में कार्य करने के लिए प्रेरित करना |
सिलाई व्यवसाय की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढावा देना |
आजीविका की बढोतरी |

(3) व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हैं :

समूह के सदस्यों ने जेकेट और टोपी बनाने का कार्य करने का निर्णय लिया है |

(4) सामुदायिक गतिशीलता :

इसके अन्तेर्गत ग्रामीणों में जागरूक्ता एवं सामुदायिक गतिशीलता के उपरांत आजीविका के विकल्प का चयन किया गया है

(5) समूह का निर्माण :

सवयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष , सचिव व कोपाध्यक्ष का सर्वसहमित से चुनाव किया गया है| समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्त निर्धारित करके उन्हेंलागू करने का प्रावधान किया गया है|

(6) क्षमता का निर्माण:

लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है|

(7) सिलाई की मशीन का वितरण:

समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म की मशीने उपलब्ध करवाई जाएगी ताकि अच्छे ढंग से कार्य कर सके|

(8) बाज़ार से जोड़ना :

अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजी सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है| विक्रय के लिए लोकल बाजारों के दुकानदारों से जोड़ कर, मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में दुकान लगाकर आय कमाने हेतु जोड़ा जाएगा| अधिक उत्पादन होने पर कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्रों के दुकानदारों से जुड़ कर कार्य करेगी|

(9) वितीय संस्थानों एवं संबिधित विभागों से जोड़ना :

व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा|

(10) बाज़ार की जानकारी:

उदयपुर, केलोंग, भुंतर, कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्रों में दुकानदारों के साथ जुड़कर कार्य करेगी|

(11) अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :

वितीय प्रबंधन पूंजीगत व्यवसाय का 75 % परियोजना द्वारा दी जाएगी, शेष 25 % समूह के सदस्यों को वहन करना होगा|
तकनीकी सहायता के लिए गाँव मे ही परियोजना द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान किया जाएगा|

(12) अनुमानित लाभ:

महिलाओं के लिए घरेलू रोज़गार उपलब्ध होगा।
समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका का दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा।
समूह की मिहलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती है |

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का वितरण-

1	उत्पाद का नाम	जेकेट और टोपी बनाना|
2	सवयं सहायता समूह/समान सूची समूह/ सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां|

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण-

सर्वप्रथम सवयं सहायता समूह के सदस्यों को प।रयोजना द्वारा प्रर्शिक्षण दीया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्यों द्वारा उत्पादों तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जाएगी:-

टोपी व जेकेट तैयार करने की मशीनें लगवाई जाएगी । इससे समय और उत्पादों की मजदूरी दर का खर्चा कम होगा।

समूह में कुछ सदस्य टोपी बनाने का कार्यकेंगे,कुछ जेकेट बनाने का कार्यकरेगे और कुछ सदस्य कटिंग का कार्यकरेगे | समूह में सभी सदस्य विपणन करेंगे और कच्चा माल भी लाएंगे।

प्रशिक्षण के उपरांत समूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का कार्य किया जाएगा, जिसका विवरण इस प्रकार से है:-

टोपी-
विभिन्न प्रकार की टोपी समूह के सदस्यों द्वारा तैयार की जाएगी, सभी सदस्य प्रतिदिन 3 से 4 घंटे काम करेगे |

जेकेट-
विभिन्न डीजाइनों की लेडीज एवं जेंट्ससभी प्रकार के जेकेट समूह के द्वारा तैयार कीया जायेगा | सभी सदस्य प्रतिदिन 3 से 4 घंटे काम करेगे |

6. उत्पादन हेतु नियोजन-

प्रति माह कार्यदिवस	:	30 दिवस
प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति	:	10 व्यक्ति
कच्चे माल का स्त्रोत	:	केलोंग,कुल्लू
अन्य संसाधनों का स्त्रोत	:	केलोंग,कुल्लू

1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन प्रतिदिन 3-4 घंटे कार्य करेंगें	100 टोपियाँ 300 जैकेट (लेडीज एंड जेंट्स)
2	प्रति चक्र कार्यों की आवश्यकता	3 सदस्य टोपी के लिए 4 सदस्य जैकेट के लिए 3 सदस्य कटिंग के लिए कुल 10 सदस्य
3	कच्चे माल का स्त्रोत	केलांग ,उदयपुर , मनाली , कुल्लू
4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	केलांग ,उदयपुर , मनाली , कुल्लू

नोटः सवयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्चपरियोजना द्वारा वहन किया जाता है तथा इस व्यवसाय योजना में नहीं है|

कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन प्रति टोपी –

क्र.	वस्तु का नाम	इकाई	मात्रा	दर	राशि
1	पटटी	से0 मी0	0.20	170	10
2	बुक्रम	से0 मी0	0.40	50	16
3	वुली	से0 मी0	0.20	35	7
4	पेस्टिंग	से0 मी0	0.10	90	10
5	मगजी कपडा	से0 मी0	0.15	30	5
6	बॉर्डर पटटी	इंच	16	140	140
7	सिलाई धागा				45
	जोड़ा				**233**
	सर्विसचार्ज			5%	11.65
	कुल उत्पादन लागत				244.65
	शुद्ध			15%	36.69
	कुल कीमत				**281.34**

कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन प्रति जेकेट –

क्र.	वस्तु का नाम	इकाई	मात्रा	दर	राशि
1	पटटी	मीटर	0.80	200	200
2	वुली	मीटर	1.50	30	50
3	पेस्टिंग	मीटर	0.5	80	45
4	वॉर्डर	मीटर	1.5	25	40
5	सिलाई ,धागा , बटन	नग	-	6	30
6	काजकीमजदूरी			20	50
7	सिलाई की मजदूरी			100	120
	जोड़ा				**535**
	सर्विसचार्ज			5%	26.75
	कुल उत्पादन लागत				561.75
	शुद्ध			15%	84.26
	कुल कीमत				**646**

7.बिक्री का विवरण-

1	संभावित बाज़ारों /स्थलों के नाम	केलांग ,मनाली, कुल्लू और भुंतर
2	उत्पाद की बिक्री हेतु गाँव से दुरी	केलांग 3 कि.मी. कुल्लू 106 कि.मी मनाली 66 कि.मी भुंतर 115 कि.मी
3	बाज़ार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	लोकल बाज़ार को चिन्हित किया गया है जैसे की केलांग,मनाली, कुल्लू और भुंतर
4	मौसम में परिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग में स्तिथी	मांग के अनुसार उत्पादन घटाया या बढाया जाएगा।
5	उत्पाद के संभावित खरीददार	स्थानीय निवासी, शहरी लोग , पर्यटक।
6	क्षेत्र में संभावित उपभोगता	गाँव व शहर की महिलाऐं / पुरुष
7	उत्पाद का विपणन तंत्र	सीधा दुकानदारों से संपर्क अपना बिक्री केंद्र मेले में स्टाल धार्मिक स्थल
8	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	थोक व्यपारी परचून व्यपारी लोकल नेटवर्क सोशल मीडिया में प्रचार

. समूह के महाप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे |
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे |
बंटवाराकार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता, कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा |
विपणन करने वाले सदस्यों को कुल बिक्री राशि पर 5% कमीशन दी जाएगी |
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे

शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण-

शक्ति

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही कुछ सदस्य बुनाई का काम करते हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्ल्बरता

महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 2 से 3 घंटे का समय ही निकाल पाना।
समूह में कर रहे हो पहली बार कर रहे हैं।

अवसर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
कुल्ल, मनाली, उदयपुर, त्रिलोकीनाथ, चंद्रताल पर्यटक स्थल है।
अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।

चुनौती

बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन)
कार्यों में व्यवस्था।

9. संभावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण-

क्र.सं.	जोखिमों/चुनौतियों का विवरण	जोखिम कम करने के उपाय
1.	बाजार की स्थिति(डिमांड) को ना समझना।	समय-समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	उपभोक्ताओं के मनपसंद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
4.	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5.	कृषि, बागवानी व पशुपालन कार्य में ज्यादा व्यवस्था।	कृषि, बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्य में साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	समूह मैं बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना।पारदर्शिता से कार्य करना।
7.	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

10.परियोजना की अर्थ्वय्स्था का विवरण

पूंजीगत व्यय

क्र.	विवरण	मूल्य (रूपए)
1	4 सिलाई मशीने (8000)	32000
2	3 मशीन स्टैंड (2500)	7500
3	2 कैंची (500)	1000
4	प्रेस 2(1200)	2400
5	कटर मशीन 1(7000)	7000
	पूंजी व्यय	**49900**

आवरती व्यय

(टोपी)

]0	वस्तु का नाम	इकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उतपाद की मात्रा
1	पटटी	मी0	20	170	3400	500
2	बुक्रम	मी0	350	50	17500	
3	वुली	मी0	35	35	1225	
4	पेस्टिंग	मी0	60	90	5400	
5	मगजी कपडा	मी0	30	30	900	
6	कुल्लू बॉर्डर पट्टी	16इंच/पीस	500	140	70000	
7	सिलाई धागा	नं0				
	जोड़ा				**98425**	
	सर्क्सिचार्ज			**5%**	4921.25	
	कुल उत्पादन लागत				**103346.3**	
	शुल्क			**15%**	15501.94	
	कुल कीमत				**118848.2**	

(जेकेट)

क्र	वस्तु का नाम	इकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उतपाद की मात्रा
1	पटटी	मीटर	220	200	44000	300
2	वुली	मीटर	450	30	13500	
3	पेस्टिंग	मीटर	140	80	11200	
4	बॉर्डर	मीटर	410	25	10250	
5	सिलाई, धागा ,वटन	नग	280	6	1680	
6	काज की मजदूरी		300	20	6000	
7	सिलाई की मजदूरी		300	100	30000	
	जोड़ा				**116630**	
	सर्क्सिचार्ज			**5%**	5831.5	
	कुल उत्पादन लागत				**122461.5**	
	शुल्क			**15%**	18369.23	
	कुल कीमत				**140830.7**	

अर्थ व्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्र.	विवरण	धन राशि
1	कुल आवरती लागत	**215055**
2	पूंजीगत व्यय पर 10% बार्षिक मूल्य ह्रास	512
	योग	**215567**

अनुमान (विक्रय मूल्य की गणना)

क्र.	विवरण	इकाई	मात्रा	धन राशि
एक टोपी के लिए				
1	उत्पादन की लागत	संख्या	1	240
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	15	36
	कुल (लागत + लाभ)	संख्या	1	**276**
	बाजार भाव	संख्या	1	300
एक जेकेट के लिए				
2	उत्पादन की लागत	संख्या	1	480
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	40	192
	कुल (लागत + लाभ)	संख्या	1	**672**
	बाजार भाव	संख्या	1	900

11. उघम हेतु लागत – लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए)

क्र.	विवरण	धनराशी (रु)
1	पूंजीगत व्यय पर **10%** वार्षिक मूल्य हृास	512
2	आवरती व्यय	
	टोपी	98425
	जेकेट	116630
	योग	215055
3	कुल उत्पादन (टोपी)	500
	कुल उत्पादन (जेकेट)	300
4	उत्पादन की विक्री (टोपी)	500
	उत्पादन की विक्री (जेकेट)	300
5	उत्पादन की विक्री से आय (टोपी)(500x276)	138000
	उत्पादन की विक्री से आय (जेकेट)(300x672)	201600
	योग	339600
6	कुल लाभ =**339600-215567**	124033

12. धन की आवश्यकता

समूह की वितीय आवश्यकता :

क्र.स.	विवरण	कुल व्यय	परियोजना द्वारा अंशदान 75%	समूह द्वारा अंशदान 25%
1	पूंजीगत व्यय	**49900**	37425	12475
	योग	**49900**	37425	12475

परियोजना द्वारा सहायता धनराशि 75 %	37425
लाभार्थी अंश 25%	12475
कुल	49000

13. सम विच्छेदन बिंदु(ब्रेक इवन पॉइंट) की गणना

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य –आवर्ती व्यय

= 49900/ 339600 –215567 = 49900/124033

= 0.40माह = 0.40 X 30 =12 दिन

उपरोक्त अनुपात मेंब्रेक इवन पॉइंट" 12 दिनों में प्राप्त होगा! दुसरे शब्दों में इस गतिविधि में लगी गयी धनराशी 12 दिनों में प्राप्त हो जाएगा |

स्वयं सहायता समूह नियमो की सूची:-

1. समूह का काम :टोपी और जैकेट बनाना
2. समूह का पता : **गाँव बिलिंग ,तहसील केलोंग ,जिला लाहुल स्पिति, हिमाचल प्रदेश |**
3. समूह के कुल सदस्य: 10
4. समूह की मासिक बैठक हर माह को होगी |
5. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
6. स्वय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
7. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
8. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
9. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
10. स्वय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
11. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
12. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए

सहायता समूह के सदस्यों का फोटोग्राफ

स्वयं सहायता समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 15/02/2025 को स्वयं सहायता समूह मिठुरपा बीलिंग की बैठक प्रधान श्रीमति छोकिद की अध्यक्षता में हुई। जिसके समूह के सभी सदस्यों ने अपनी सहमति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय को बढ़ाने के लिए "सिलाई करने" का कार्य आजीविका सुधार योजना (JICA) से जुड़ने के लिए सहमति प्रधान करते है।

प्रधान → छोकिद

छोकिद

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के हस्ताक्षर →

छिमे अंगमो	छिमे अंगमो
डोलमा	डोलमा
देकिद पालमो	देकिद पालमो
देचेन डोलमा	देचेन डोलमा
छिमे	छिमे
छिमेद अंगमो	[signature]
पालजोम	पालजोम
डोलमा	डोलमा
किरन	किरन

Sanjay
Range Forest Officer
[illegible] Keylong

Dmu-Cum- Division Forest Office
Lahoul at Keylong

President
VFDS Beeling
Village-Beeling
PO Keylong
Sub Division Lahaul at Keylong

Secretary
VFDS Beeling
Village-Beeling
PO Keylong
Sub Division Lahaul at Keylong

Member
VFDS Beeling
Village-Beeling
PO Keylong
Sub Division Lahaul at Keylong